लखनऊ.

बी बी सी वर्ल्ड सर्विस के प्रबंधक इस बात पर गंभीरता से विचार कर रहे हैं कि हिन्दी रेडियो समाचार सेवा एक साल के बाद भी जारी रखने के लिए विज्ञापन लिए जाएँ.

ब्रिटिश सरकार द्वारा बी बी सी को दिए जाने वाले अनुदान में भारी कटौती के चलते इस समय बी बी सी हिन्दी की केवल शाम की एक बुलेटिन जारी है, जबकि अन्य तें सभाएं बंद हो गयी हैं.

लन्दन में बी बी सी वर्ल्ड सर्विस मैनेजमेंट बोर्ड की सदस्य और पत्रकारिता प्रमुख निक्की क्लार्क ने आज लखनऊ में बी बी सी श्रोताओं के एक सभा में भरोसा दिलाया है कि बी बी सी हिन्दी रेडियो के कार्यक्रम मार्च २०१२ के बाद भी जारी रखने के लिए विज्ञापन के वैकल्पिक वित्तीय व्यवस्था की संभावनाएं तलाशी जायेंगी. सभा में उत्तर प्रदेश के विभीन अंचलों से बड़ी तादाद में श्रोता अमुजुद थे.

निक्की क्लार्क ने इतनी दूर दूर से चलकर आने के लिए श्रोताओं का हार्दिक धन्यवाद दिया.

बी बी सी हिन्दी प्रमुख अमित बरुआ ने आश्वस्त किया कि टेलीविजन पर अंग्रेजी में बी बी सी वर्ल्ड न्यूज में विज्ञापन लिए जाते हैं लेकिन उससे सम्पादकीय स्वतन्त्रता प्रभावित नही होती , क्योंकि बी बी सी के पास विज्ञापन के सम्बन्ध में स्पष्ट नियमावली मौजूद है.

निक्की क्लार्क और अमित बरुआ दोनों ने भरोसा दिलाया कि श्रोताओं के विचारों और सुझावों पर लन्दन में बी बी सी प्रबंधक गंभीरता से विचार करेंगे.

एक श्रोता ने बी बी सी कार्यक्रमों में कटौती की घोषणा की तुलना हीरोशिमा नागासाकी में बम धमाके से की. एक श्रोता का कहना था कि वह अपनी बीवी से ज्यादा बी बी सी को प्यार करता है.

अनेक श्रोताओं का कहना था कि सुबह और देर रात का प्रसारण बंद होने से लोगों की सुबह भी खराब हो गयी और रात की नींद भी छिन गयी.

बहुतेरे श्रोताओं का बारम्बार आग्रह था कि इस समय शाम साढ़े सात बजे की जो सभा दिन भर के नाम से चल रही है उसमे कोई रिपोर्ट या आइटम रिपीट न किया जाए. श्रोताओं ने विज्ञान , खेल और कैरियर सम्बन्धी कार्यक्रम बहाल करने पर बल दिया.

कई श्रोताओं ने आश्चर्य व्यक्त किया कि ब्रिटेन के पास बी बी सी जैसी संस्था को चलने के लिए पैसा नही है. कई श्रोताओं ने सवाल किया कि अगर ऐसा आर्थिक संकट है तो फिर ब्रिटेन ने ईराक युद्ध में इतना धन क्यों बर्बाद किया.

कुछ श्रोताओं ने प्रस्ताव किया कि वे बी बी सी को चलाने के लिए वित्तीय सहयोग दे सकते हैं. वहीँ कई श्रोताओं का कहना था कि हिदी सेवा को चलाने के लिए विज्ञापन लेने में भी कोई हर्ज नही है.

कार्यक्रम में छत्र और युवा श्रोताओं की संख्या अच्छी खासी थी , जिनका कहना था कि बी बी सी के समाचार और विश्लेषण उन्हें प्रतियोगी परीक्षाओं की तैयारी में मदद करते हैं.

सभा में पुलिस और अर्ध सैनिक बल पी ए सी के कई कर्मचारी अधिकारी मौजूद थे, जिनका कहना था कि लाखों की तादाद में सेना, पुलिस और अर्ध सैनिक बालों के जवान दूर दराज तैनात होते हैं और वे के समाचारों के लिए बी बी सी पर निर्भर करते हैं.

दसवीं बटालियन के एक पी ए सी के जवान ने कहा कि हम लोग गाँव जंगल में टेंट लगा कर रहते हैं वहां बी बी सी का साथ ही घर परिवार से दूरी का एहसास मिटा देता था .

सीतापुर के एक छात्र ने बी बी सी को अपना गुरु बताया जिसके कारण उसने कई प्रतियोगी परीक्षाओं में सफलता प्राप्त की .

युवा पत्रकारों का कहना था कि बी बी सी उनके लिए मार्गदर्शक का काम करती है.

सभा में कई ऐसे बुजुर्ग लोग भी आये जो पचास से साठ सालों से बी बी सी सुन रहे हैं. इनमे रिटायर्ड पुलिस महा निदेशक ईश्वर चंद द्विवेदी और इस्लामिक शिक्षा के मशहूर केंद्र फिरंगी महल के मौलाना मतीन शामिल थे.

श्रोताओं को इस बात से परिचित कराया गया कि वे कैसे इंटरनेट और मोबाइल पर बी बी सी के समाचार सुन और पढ़ सकते हैं. अनके श्रोताओं ने बताया कि वे पहले से ही मोबाइल ओर नेट पर समाचार सुन रहे हैं.

इस सभा में ऐसे लोग भी थे जिनके पास इंटरनेट की सुविधा है और मोबाइल फोन भी लेकिन उनका कहना था कि रेडियो ज्यादा सुविधाजनक है.

ग्रामीण इलाकों ने श्रोताओं ने विशेषकर इस बात पर बल दिया कि उनके यहाँ बिजली की भारी कटौती होती है, इसलिए वे समाचारों के लिए बी बी सी हिन्दी रेडियो पर ही निर्भर हैं.

कार्यक्रम में बी बी सी के उत्तर प्रदेश संवाददाता राम दत्त त्रिपाठी प्रोड्यूसर रूपा झा और रिपोर्टर ऐश्वर्य कपूर भी मौजूद थे.